तत् त्वं पूषन् अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

केन्द्रीय विद्यालय क्र. 1,Kendriya Vidyalaya No.1,
वायु सेना स्थल, लोहगाँव, पुणे Air Force Station, Lohegaon, Pune 411 032
दूरभाष क्र. Telephone Nos. 020-26687656, 020-26682803
वेबसाइट Website: www.no1afspune.kvs.ac.in
ई - मेल E-mail: principalkv1afspune@gmail.com

दिनांक : 05/09/2023

प्रिय शिक्षकगण,

महान शिक्षाविद, दार्शनिक, विचारक, भारतीय संस्कृति के अध्येता डॉ॰ सर्वपल्ली राधाकृष्णन् के जन्म दिवस, तदनुसार शिक्षक दिवस के पावन अवसर पर आप सबको हार्दिक शुभकामनाएँ। निश्चय ही यह रचनाधर्मी, नवोन्मेषी एवं निष्ठावान शिक्षकों के प्रति, उनके द्वारा विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण, प्रकारांतर से राष्ट्र निर्माण हेतु कृत समस्त समर्पित प्रयासों के लिए आभार व्यक्त करने का उपयुक्त अवसर भी है।

प्रसिद्ध विचारक जे॰ कृष्णमूर्ति ने कहा है, “शिक्षा का उद्देश्य कुछ परीक्षाएँ उत्तीर्ण कर लेना नहीं है, अपितु सभी समस्याओं पर विचार करने की योग्यता अर्जित करना ही शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य है।” शिक्षा के इस उद्देश्य के दृष्टिगत राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 में शिक्षा को संस्कृति से संबद्ध करने का प्रयास किया गया है। युवाओं की आकांक्षाओं एवं स्वप्नों को साकार करना तथा वैश्विक चुनौतियों का सामना करने में सक्षम, आत्मविश्वास से परिपूर्ण पीढ़ी का निर्माण करना ही इस शिक्षा नीति का उद्देश्य है। सृजनशीलता एवं संवेदनशीलता आदि गुणों से विभूषित व्यक्ति ही ‘शिक्षित’ कहलाने के योग्य होता है। इस संदर्भ में उल्लेखनीय है कि केवल पुस्तकीय ज्ञान व्यक्ति की चित्तवृत्तियों का परिष्कार नहीं कर सकता। अतः विद्यार्थियों को मुक्त चिंतन आधारित संस्कार प्रदान करना तथा उनके हृदय में लोकमंगल की भावना विकसित करना भी शिक्षा का प्रमुख उद्देश्य है।

अत्यंत हर्ष का विषय है कि विद्यालय के समस्त शिक्षक शिक्षा के उपर्युक्त उद्देश्यों की पूर्ति हेतु सतत प्रयासरत हैं। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु आपके द्वारा किए जा रहे अथक प्रयास सराहनीय हैं। स्मरण रखें, विभिन्न क्षेत्रों में अपनी स्वर्णिम उपलब्धियों से विश्व स्तर पर देश को गौरवान्वित करने वाली प्रतिभाओं को निखारने, उन्हें उचित दिशा प्रदान करने का श्रेय शिक्षकों को ही जाता है। विकास की यह यात्रा शाश्वत है तथा सफलता के नए क्षितिज को स्पर्श करना अभी शेष है। आज़ादी का अमृतकाल वस्तुतः भारतीय गौरव के उन्नयन का उत्सव है। इस उत्सव में अपना योगदान सुनिश्चित करने हेतु मैं आपका आह्वान करता हूँ। समस्त ऊर्जस्वित, प्रतिबद्ध एवं दृढ़ संकल्पित शिक्षकों के प्रति समर्पित हैं कुछ पंक्तियाँ -

लक्ष्य प्रेरित बाण हैं हम, ठहरने का काम कैसा।
लक्ष्य तक पहुँचे बिना पथ में पथिक विश्राम कैसा।

शुभकामनाओं सहित,

आर.एन. वडालकर
प्राचार्य